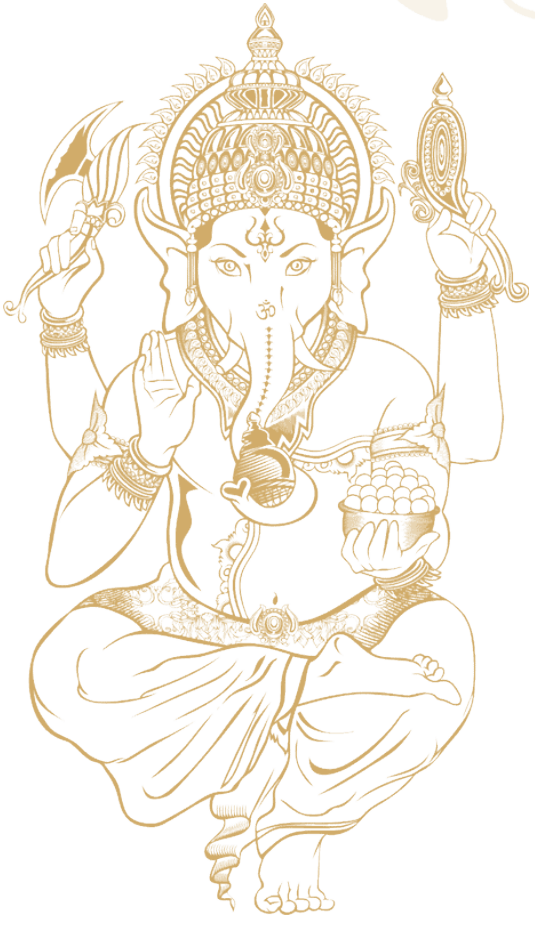

Atishay Jain

15 Oct 2016

02:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121195903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/10/2016**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	20:19:20 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:08:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:17 घंटे
साम्पातिक काल	15:46:10 घंटे
सूर्योदय	06:22:15 घंटे
सूर्यास्त	17:51:09 घंटे
दिनमान	11:28:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:20:48 कन्या
लग्न के अंश	20:44:48 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	20:44:48	440:17:14	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	28:20:48	00:59:28	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			मीन	16:58:14	14:58:34	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			धनु	18:06:10	00:41:45	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	19:40:05	01:44:15	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	मूलत्रिकोण
गुरु			कन्या	13:38:03	00:12:46	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	02:22:35	01:12:44	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	सम राशि
शनि			वृश्चि	18:41:26	00:05:20	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	18:05:04	00:03:42	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	18:05:04	00:03:42	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		मीन	28:25:14	00:02:27	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	---
नेप	व		कुंभ	15:29:47	00:01:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	20:55:35	00:00:34	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			वृश्चि	04:41:05	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:23

लग्न-चलित

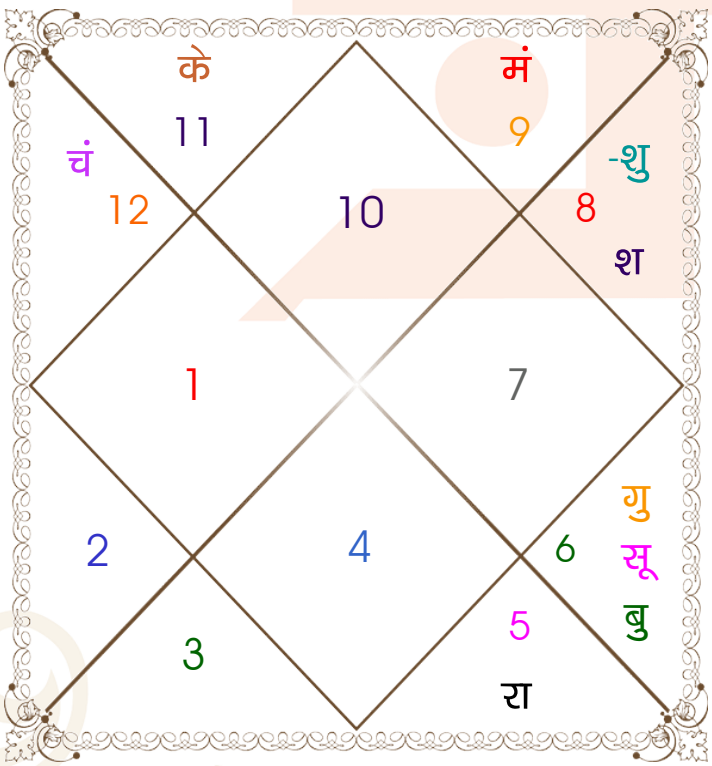

चन्द्र कुंडली

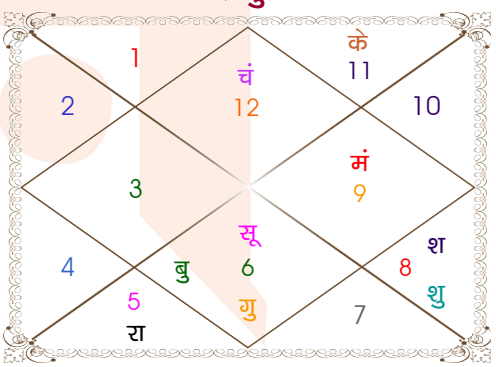

नवमांश कुंडली

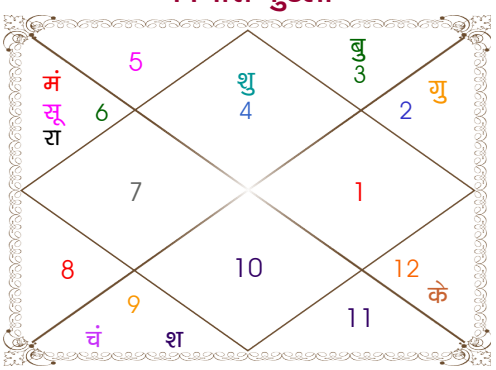

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 7 मास 10 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/10/2016		27/05/2033		27/05/2040		27/05/2060		27/05/2066	
27/05/2033		27/05/2040		27/05/2060		27/05/2066		27/05/2076	
बुध	23/10/2018	केतु	23/10/2033	शुक्र	26/09/2043	सूर्य	13/09/2060	चंद्र	27/03/2067
केतु	20/10/2019	शुक्र	23/12/2034	सूर्य	25/09/2044	चंद्र	15/03/2061	मंगल	27/10/2067
शुक्र	20/08/2022	सूर्य	30/04/2035	चंद्र	27/05/2046	मंगल	21/07/2061	राहु	26/04/2069
सूर्य	27/06/2023	चंद्र	29/11/2035	मंगल	27/07/2047	राहु	14/06/2062	गुरु	26/08/2070
चंद्र	25/11/2024	मंगल	26/04/2036	राहु	27/07/2050	गुरु	03/04/2063	शनि	27/03/2072
मंगल	22/11/2025	राहु	15/05/2037	गुरु	27/03/2053	शनि	15/03/2064	बुध	26/08/2073
राहु	11/06/2028	गुरु	21/04/2038	शनि	27/05/2056	बुध	19/01/2065	केतु	27/03/2074
गुरु	17/09/2030	शनि	30/05/2039	बुध	27/03/2059	केतु	27/05/2065	शुक्र	26/11/2075
शनि	27/05/2033	बुध	27/05/2040	केतु	27/05/2060	शुक्र	27/05/2066	सूर्य	27/05/2076

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
27/05/2076		27/05/2083		28/05/2101		28/05/2117		28/05/2136	
27/05/2083		28/05/2101		28/05/2117		28/05/2136		00/00/0000	
मंगल	23/10/2076	राहु	06/02/2086	गुरु	16/07/2103	शनि	31/05/2120	बुध	16/10/2136
राहु	10/11/2077	गुरु	02/07/2088	शनि	26/01/2106	बुध	08/02/2123		00/00/0000
गुरु	17/10/2078	शनि	09/05/2091	बुध	03/05/2108	केतु	19/03/2124		00/00/0000
शनि	26/11/2079	बुध	25/11/2093	केतु	09/04/2109	शुक्र	19/05/2127		00/00/0000
बुध	22/11/2080	केतु	14/12/2094	शुक्र	09/12/2111	सूर्य	30/04/2128		00/00/0000
केतु	20/04/2081	शुक्र	14/12/2097	सूर्य	26/09/2112	चंद्र	29/11/2129		00/00/0000
शुक्र	20/06/2082	सूर्य	07/11/2098	चंद्र	26/01/2114	मंगल	08/01/2131		00/00/0000
सूर्य	26/10/2082	चंद्र	09/05/2100	मंगल	02/01/2115	राहु	14/11/2133		00/00/0000
चंद्र	27/05/2083	मंगल	28/05/2101	राहु	28/05/2117	गुरु	28/05/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 7 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मकर लग्नोदय काल हुआ था। जन्म लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। लग्नादि के संयोजन आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जीवन मिश्रित फलदायक होगा। जन्म का प्रथम सकारात्मक पक्ष आपके नाम, प्रसिद्धि एवं धन प्राप्ति हेतु पूर्णतः अनुकूल होगा। परंतु अन्य पक्ष आपको दिक्कत परेशानियों से युक्त संघर्षदायक होगा जो घर-परिवार तथा घरेलू जीवन हेतु नकारात्मक परिस्थिति का सृजन कर रहा है।

आपकी जन्मपत्रिका के अनुसार ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आपको अपने पिता के साथ मतभिन्नता रहेगी तथा उनके सहयोग से कोई लाभ नहीं हो सकता है। आपका पुत्र पक्ष भी आपके सौभाग्य हेतु प्रतिकूलता अपनाएगा। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। क्योंकि आपकी पत्नी समझदार एवं आकर्षक होगी। परंतु वह भी आपकी प्रसन्नता हेतु अतिरिक्त प्रयास नहीं कर सकेगी। आप विद्वान एवं चतुर होंगे। आप अपनी आत्मिक शक्ति द्वारा दृढ़ प्रतिज्ञ होकर अपने कार्य व्यवसाय के प्रति उपस्थित एवं कार्य प्रदर्शन करते रहेंगे। आप जिस कार्य को संपादन करने का भार ग्रहण करेंगे आप उस कार्य की सफलता हेतु सक्षम होंगे। आप दिक्कतों की सामना करने के प्रति लग्नशील होकर तनिक भी नहीं घबराएंगे तथा स्वच्छंद भाव से हस्तगत कार्य को मध्यावस्था तक लाकर ही निश्चित होंगे।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल व्यवसाय जिसमें आपका मन प्रवृत हो सकें। वह भूमि से संबंधित कार्य होगा। यथा खनन कार्य, खनिज व्यवसाय, सिंचाई कार्य (डिलरशीप) आदि। इसके अतिरिक्त उपव्यवसाय जैसे ट्रस्ट एवं शक्ति सामर्थ्ययुक्त कार्य व्यवसायों में आप उच्चता प्राप्त कर सकते हैं।

आपके संपूर्ण जीवन की अवधि के अंतर्गत 19 वीं वर्ष से 24 वी वर्ष की आयु के मध्य का समय आपकी अभिलाषा के अनुरूप सभी प्रकार का उपयुक्त धन संपत्ति को अर्जित कर लेंगे।

आपकी अभिरूचि धार्मिक एवं आध्यात्मिक दर्शन के प्रति होगा। आप अनेक धर्मस्थलों का दर्शन करेंगे तथा सार्वजनिक संस्थाओं को दान-प्रदान करेंगे। आप बिना आलसी प्रवृति के सर्वदा सामाजिक सेवा कार्य करते रहेंगे।

आप दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आप अंधाधुंध यत्र-तत्र सर्वत्र भ्रमण करते रहेंगे। जिसकी वजह से शरीर में छोटा साधारण जख्मादि की संभावना बन सकती है। आपके लिए उत्तम यह हो कि कही से छलांग लगाने या उछल कूद करने के पहले भली प्रकार देख कर ऐसा करें। वर्षों बाद कुछ रोगादि की आशंका है यथा अपाचनिक व्यवधान, क्षयरोग एवं चर्म रोग यथा नोचनी, खुजली, फोड़ा फुंसी आदि आपको प्रभावित कर सकता है। अतः आप सीधे तरीके से अपने परिवारिक चिकित्सक से संपर्क स्थापित कर चिकित्सा हेतु कोई भी औचित्य अपना सकते हैं।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 6, 8 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 3 आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अत्यंत परेशानी उत्पन्न करने वाला एवं चिंताग्रस्त रखने वाला दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन है। इन दिनों में कोई भी कार्य संपादन नहीं करें। आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम दिन शुक्रवार बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल है। इन दिनों में कोई भी महत्त्वपूर्ण कार्य का प्रारंभ एवं संपादन कर सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उत्तम है। परंतु क्रीम एवं पीले रंग का सर्वथा परित्याग करें।